InkFLASH
त्रैमासिक समाचार पत्रिका

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस फॉर विमेन

नवंबर, 2025

युवा शक्ति: भारत के छात्रों ने कैसे गढ़ा इतिहास

भारत की विशाल और जीवंत यात्रा के हर मोड़ पर एक शक्ति हमेशा अडिग रही है — इसके युवा। छात्र कभी इतिहास के मौन दर्शक नहीं रहे; वे इसके सबसे उत्साही निर्माता रहे हैं। उनका साहस, स्पष्ट दृष्टि और अन्याय को स्वीकार न करने का संकल्प बार-बार देश को आगे बढ़ाता रहा है।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कक्षाएँ ही प्रतिरोध का केंद्र बन गईं। भगत सिंह, जो उस समय एक कॉलेज छात्र थे, ने अपने युवा आदर्शों को पूरे राष्ट्र की चेतना में बदल दिया। खुदीराम बोस, मात्र 18 वर्ष की आयु में, स्वतंत्रता के संघर्ष के सबसे कम उम्र के शहीदों में शामिल हुए। चंद्रशेखर आज़ाद ने भी किशोरावस्था में ही क्रांतिकारी गतिविधियों को अपना मार्ग बनाया। असहयोग आंदोलन के दौरान हज़ारों छात्रों ने अंग्रेज़ी शासन के शैक्षणिक संस्थानों का बहिष्कार कर यह दिखाया कि सच्ची शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, बल्कि देश के आत्मसम्मान की रक्षा भी है।

स्वतंत्रता के बाद भी छात्र शक्ति का प्रभाव कम नहीं हुआ। अरुणा आसफ अली, जिन्होंने अपना सफर एक युवा शिक्षिका के रूप में शुरू किया, भारत छोड़ो आंदोलन की प्रेरक और साहसी आवाज़ बनकर उभरीं। जेपी आंदोलन (1970 के दशक) में देशभर के कॉलेज छात्रों की भागीदारी ने एक बार फिर सिद्ध किया कि लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब युवा अपनी आवाज़ बुलंद करें।

आधुनिक भारत में यह कहानी नए रूपों में आगे बढ़ती है। छात्र नवोन्मेषकों में ऋतेश अग्रवाल, जिन्होंने 19 वर्ष की आयु में OYO की स्थापना की, और कार्तिक सवनी, जिन्होंने स्कूल के दिनों में ही STEM शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने की वकालत की — यह साबित करते हैं कि प्रभाव पैदा करने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं।

वैज्ञानिक नवाचारों में हर्षवर्धन ज़ाला, जिन्होंने 14 वर्ष की आयु में ड्रोन तकनीक का प्रोटोटाइप विकसित किया, और मिनल रोहित, जिन्होंने अपने प्रारंभिक करियर में ही इसरो के महत्वपूर्ण मिशनों में योगदान दिया — यह दिखाते हैं कि युवा दिमाग लगातार सीमाएँ तोड़ रहे हैं। सामाजिक सुधारों में भी लक्ष्मी अग्रवाल, जिन्होंने किशोरावस्था में ही एसिड-अटैक पीड़ितों के अधिकारों के लिए आवाज़ उठाई, इस बात का प्रमाण हैं कि न्याय के लिए खड़ा होना भी युवा शक्ति का स्वरूपों है।

आज भी यह विरासत उतनी ही जीवंत है। देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्र शोध कर रहे हैं, स्वयंसेवा कर रहे हैं, नए विचारों और स्टार्ट-अप्स का निर्माण कर रहे हैं, जागरूकता अभियान चला रहे हैं और बड़े सपनों को आकार दे रहे हैं। उनकी ऊर्जा विद्रोह नहीं — बल्कि नवचेतना है, वह शक्ति जो नए रास्ते बनाती है।

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन में यह भावना और गहराई से महसूस होती है। यहाँ की हर दीवार, हर गलियारा यही याद दिलाता है कि भविष्य उन लोगों का नहीं होता जो उसके आने का इंतज़ार करते हैं, बल्कि उन लोगों का होता है जो उसे साहस और कल्पना से रचते हैं। भारत की प्रगति की कहानी हमेशा से उसके युवाओं की कहानी रही है और आगे भी रहेगी।

यह विरासत हर छात्रा को प्रेरित करती रहे — कि वह निर्भीक सोच रखे, साहसी कदम उठाए, और यह साबित करे कि भारत के युवा केवल इतिहास को देखते नहीं, वे इसे लिखते हैं।

कार्यक्रम

काउंसिलशपथ समारोह

18 सितम्बर 2025 को नव चयनित सदस्यों (2025–26) के शपथ समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह कॉलेज के एंफीथिएटर में उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ।

फ्रेशरपार्टी

18 सितम्बर 2025 को प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के स्वागत हेतु फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम "बॉलीवुड" रखीगई।

इंटर–डिपार्टमेंटखेल प्रतियोगिता

15 – 19 सितम्बर तक कॉलेज में अंतर्विभागीय खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिनमें विभिन्न प्रकार के खेलो में सभी डिपार्टमेंट के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया ।

कैंसरअवेयरनेस सेमिनार

23 सितम्बर 2025 को कॉलेज की विमेन डेवलपमेंट सेल ने कैंसर अवेयरनेस पर एक सेमिनार आयोजित किया।

हिंदीदिवस 14 सितंबर,2025

कॉलेज की इंक्लिंग्स सोसाइटी ने हिंदी दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये|

एन.सी.सी.रैंक सेरेमनी

29 सितम्बर 2025 को एनसीसी की रैंक सेरेमनी का आयोजन किया गया। जिसमें एनसीसी के कैडेट्स को उनकी उपलब्धियों के आधार पर रैंक प्रदान की गई।

"टेक फेस्ट"

टेक फेस्ट का आयोजन 15-16 अक्टूबर को किया गया।टेक फेस्ट में विभिन्न तकनीकी प्रतियोगिताओं और वर्कशॉप्स का आयोजन किया गया। दूसरे कॉलेज के छात्रों ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया था।

दिवालीमेला

कॉलेज में दिवाली मेला का आयोजन 17 अक्टूबर को किया गया। छात्रों द्वारा सजाए गए आकर्षक स्टॉल, खेल प्रतियोगिताएँ, स्वनिर्मित कलाकृतियाँ इत्यादि ने दिवाली मेला में चार चांद लगाया। दिवाली मेला छात्रों के लिए मनोरंजन और रचनात्मक अभिव्यक्ति का एक अनोखा मंच बना।

मिशनलाइफ सेमिनार

मिशन लाइफ सेमिनार का आयोजन 11 नवंबर को यू.बी.ए क्लब द्वारा किया गया जिसमें वायु प्रदूषण के कारण और बचाव के बारे में बताया गया।

इंटर कॉलेज वाद–विवाद

हमारे कॉलेज में इस सप्ताह इंटर कॉलेज वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया |

हेल्थकैंप

कॉलेज काउंसिल और विमेन डेवलपमेंट सेल द्वारा कॉलेज कैंपस में छात्रों और स्टाफ के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य जांच शिविर में डॉक्टरों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए गए।

इनकोविन

13 नवंबर,2025
कॉलेज की इंक्लिंग्स सोसाइटी ने इनकोविन प्रतियोगिता आयोजित की |

रचनिका

शिकायत

लडकी है, एक साधरण लफ़्ज़ नहीं...
किताब का पन्ना है वो सौदागर का सौदा नही...

वो स्त्री है,उसे सन्मान की जरूरत है शृंगार की नहीं..॥

भारत माँ की सीमाओं पर
नियुक्त है उसके वीर रक्षक
नारी चरित्र की सीमा की
रक्षा क्यँ नहीं.....????

द्वापर युग में द्रौपदी का चीर हरण बचाया श्री कृष्णा ने..
आज निर्भया के चीर हरण पर महाभारत क्युं नहीं.....??

विश्वगुरु कहलाता- सनातन धर्म ही भारत बर्ष का परिचय पात्र लेकिन सनातनी नारी के अंदर स्वतंत्रता व भाव क्यूँ नही....????

जवाब चाहती है मेरी ये कुछ सवाल ने....

—चिन्मयी

लोकतंत्र

लोकतंत्र अक्षरों में कैद,
आत्मा में राजभोग का भेद।

समानता काग़ज़ पर ठहरी ,
मन में आज भी ऊँच-नीच भरी.
आज़ादी मिली पर किस कीमत पर ?
बनंधनकर्ता बदले, बंधन किधर?

"स्वतंत्रता" त्योहार बन गया,
भक्ति कहीं साजिशों में खो गया।
नेता वादे किए रेशम जैसे,
कर्म मगर सांप्रदायिक वैसे।

अपराधी चलता शान से आज,
सबत मिटे, न कोई आवाज़।
और संविधान।! लंबी किताब का सार, बन गया केवल व्यापार।

—आर्यकेसरी

सिंदूर

जहां मांग में सिंदूर था,
वहीं अब राख की रेखा है,
जहां कहती थी "मैं वापस आऊंगी"
वहां सिर्फ चीखों की लेखा है!
ज़िद किया करती थी मैं तुमसे चलने को घाटी,
माता वैष्णो के दर्शन के लिए मैं रट लगाती,
तुम ले गए थे मुझे वहां, पुजारी ने माता का कुमकुम भी दिया था,
उससे मांग सजाई मैं, आशीर्वाद में भी बस तुम्हें मांगा था!
बड़ा उल्लास था मन में, पहलगाम जब हम घुम रहे थे,
मां के लिए क्या लूं यही सोच रहे थे,
जब मैंने अपने बहनों की रुलाई सुनी, क्षणभर में; खुद भी रो पड़ी!

होश कहां था कि वो कौन है, पर मुझसे कहते थे मोदी से कह देना,
मेरा कोई बैर नहीं था उनसे फिर भी मेरा श्रृंगार उन्होंने छीन लिया,
पंद्रह दिन संभाले संभल नहीं पाई मै.. पर माता रानी के आशीर्वाद से उनका विध्वंस देख पाई मैं
जानती हूं, जो मैंने खोया है वो दोबारा नहीं मिलेगा..
पर तुम देखो न, तुम्हारे नाम का "सिंदूर" अब हमेशा अमर रहेगा!

—आर्यकेसरी

जमीं की चाह में बटी इंसानियत

दिलो के बीच खींची उन गोरे हाथों की लकीरों से
बचे वो भी नही हम भी नही ।
उस सरहद में दफ़न बेहिसाब लाशे हुईं कत्ल-ए-आम से बचे वो भी नही हम भी नही
मुल्कों की चाह में इंसानियत बंट गई खूनी
सियासत से जुदा वो भी नही हमभी नहीं
अमन चैन की चाह में ये चमन बंट गया पर
नफ़रत की आग से बचे वो भी नही हम भी नहीं
बिछड़े हुए वो लोग, जलती हुई वो यादें नाजुक से
वो सपने, वो आंगन के खिलौने इन सदमो से
उभरे वो भी नही हम भी नही
खून के धब्बे तो मिट गए पर ज़ख्मों के निशान नही
बेदाग बचे वो भी नही हम भी नही
अंधेर रातों से निकलकर, यादों को समेटकर
सफर में रुके वो भी नही हम भी नहीं महज़ फ़र्क
इतना रहा दोनो की राहों में हम साथ आगे बढ़ते
चले, वो मजहबी नफरत बढ़ाते चले
हम चांद तक गए, वो जमीं के भी ना हुए।

—अर्शनीती

गेम कॉर्नर

क्रॉसवर्ड

त	स	र	ल	र	क्ष	य	ष	ब	व
न	ग	म	श	ड	अ	स	ह	म	त
थ	ऊ	प	र	प	व	ज्ञ	य	ल	श्र
आ	ब	ख	भ	म	न	ह	ठ	वि	छ
रं	ज	फ	श्र	क	ति	ण	ढ	ना	क्ष
भ	घ	अ	छ	न	श	ड	क	श	ट
ख	ऋ	ना	आ	ग	म	न	ह	छ	म
झ	घ	द	ज	प	फ	ऋ	ट	श	ब
ठ	च	र	झ	श	ध	झ	ण	ध	ल
थ	भ	ट	ण	ज	ल	फ	ख	ल	थ
र	ड	ढ	ण	ज्ञ	क्ष	ज	ऋ	ब	च

भूखी बिल्ली

क्या आप इस बिल्ली को दूध तक पहुँचने में मदद कर सकते हैं?

गेस द वर्ड

जानवर का नाम बताओ ?

फ़ोन का नाम बताओ ?

देश का नाम बताओ ?

अंतर पहचानें

1. कैप का रंग: सामने वाले लड़के की टोपी का रंग (बाएँ में लाल, दाएँ में नीला)।
2. फ़र्श का पैटर्न: ज़मीन पर टाइल्स का रंग और पैटर्न (बाएँ में पीला/बैंगनी चेकरबोर्ड, दाएँ में हरा/लाल चेकरबोर्ड)।
3. क्ले मशीन का इनाम: बाईं ओर की क्ले मशीन के अंदर का हरा गोला (बाएँ में हरा, दाएँ में बैंगनी)।
4. लड़के की टी-शर्ट: खड़े हुए लड़के की टी-शर्ट का रंग (बाएँ में हरा, दाएँ में लाल)।
5. दीवार पर पोस्टर: दाईं ओर ऊपर की दीवार पर लगे पोस्टर का रंग और डिज़ाइन (बाएँ में बैंगनी राक्षस, दाएँ में हरे रंग का एलियन)।
6. पॉटेड प्लांट/शेल्फ: दाएँ हाथ की तरफ़ नीचे की ओर (बाएँ में एक गमला है, दाएँ में एक शेल्फ है जिस पर कुछ चीज़ें रखी हैं)।
7. आर्केड मशीन का कंट्रोलर: सामने वाले लड़के की आर्केड मशीन के जॉयस्टिक के बेस का रंग (बाएँ में लाल, दाएँ में नीला)।

1. मनकी 2.नोकिया 3. टर्की

1. आदर × अनादर
2. अंत × आरंभ
3. काठिन × सरल
4. निर्माण × विनाश
5. सहमत × असहमत
6. नीचे × ऊपर
7. उन्नति × अवनति
8. गमन × आगमन